https://archive.org/details/bk1275/page/n0/mode/1up

2012-11-12 -Dwarka Shankaracharya Certificate (1275)

All Items on https://archive.org/details/realpatidar

...tidar.com

Full Library on https://realpatidar.com/library

श्री द्वारका

शारदापीठम्

द्वारका • गुजरात • भारत

...क : सचिव,
...पाद जगद्गुरु शङ्कराचार्य महाराज

टेलीफोन : (02892)234064, 235109 फैक्स : 234457

दिनांक : 12/11/2012
स्थान : द्वारका

धर्मादेश

जगद्गुरु शङ्कराचार्य मठ शारदापीठ द्वारका को कच्छ पाटीदार समाज द्वारा एवं प्राचीन इतिहास (गजेटियर) के आधार पर हम इस निश्चय पर स्थिर हुये हैं कि सत्पंथ पथ हिन्दु मुसलमानों को मिलाकर अन्त में छद्मवेष से हिन्दुओं को मुसलमान बनाने का कुचक्र चलाता है ।

* सत्पंथ के कथनानुसार वे हिन्दू ही हैं, तो नाम मुसलमानों जैसा क्यों ?
* यदि हिन्दुधर्म के ही देवी-देवता मानना है तो उसके लिये सतपंथ की ओर आकर्षित करना जरुरी क्यों?
* हिन्दुधर्म का ही पालन करना है तो पीराणा में इमाम शाह बाबा की कब्र की आवश्यकता क्यों ?
* सत्यप्रकाश पीराणा सतपंथ का इतिहास ग्रन्थ से सतपंथ मुस्लिम धर्म है ।
* प्राप्त प्रमाणों के आधार पर सत्पंथ संस्थान के धर्मगुरु आगाखान माने जाते हैं, वे क्यों हिन्दुधर्म का प्रचार करेंगे ?
* सरकारी दस्तावेजों में - गुजरात गजेटियर में, बाम्बे गजेटियर - 1899 में, अहमदाबाद जिला के 1984 के गजेटियर से यह प्रमाणित हैं कि सत्पंथ मुस्लिम धर्मावलम्बियों का है ।
* भगवद्गोमण्डल, प्रवीण प्रकाशन, राजकोट (भाग-9) पृष्ठ सं. 8461 में स्पष्टता पूर्वक सतपंथ का अर्थ मुस्लिम धर्म कहा है ।
* गुजराती विश्वकोश (खण्ड-22), पृष्ठ सं. 70-71 में सतपंथ का पूरा इतिहास लिखा है जिससे ये मुस्लिम मताबलम्बी सिद्ध होते हैं ।

हिन्दुधर्म की विशालता, प्राचीनता एवं सनातनी परम्परा को देखकर सतपंथी इमाम शाह बाबा की यह सुनियोजित योजना थी (है) कि हिन्दुओं को तोड़ना है, तो प्रारम्भ में कुछ उनकी बातों को स्वीकार कर लिया जाय कुछ अपनी बात जोड़ दी जाय, धीरे-धीरे हिन्दू संस्कृति को विकृत कर दिया जाये ।

इसी योजना के अन्तर्गत भ्रम फैलाकर हिन्दु मुस्लिम एकता का ढिण्ढोरा पीटकर कच्छ, गुजरात, महाराष्ट्र में लाखों हिन्दुओं को सत्पंथी धर्मच्युत कर चुके हैं ।

हिन्दू कौन, जो अपने आप को हिन्दू मान बैठा हो, हिन्दूधर्म का पालन करे, जो अपने दिल में अपने आप को हिन्दू विषयक अभिमान से आविष्ट कर चुका हो - **सः हिन्दूः** ।

गोषुभक्तिर्भवेदस्य पुनर्जन्मनि दृढ़ाशयः ।
ॐकार मूलमन्त्रस्य सर्वेहिन्दुरिति स्मृतः ।।

गाय में जिसकी भक्ति हो । ॐकार जिसका मूलमन्त्र हो । जो पुनर्जन्म मानता है, वैदिक परम्परा को प्रमाण मानता हो।

क्रमशः 2

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk1275/page/n1/mode/1up

Real Patidar Library

https://www.realpatidar.com/library

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: http://www.realpatidar.com

About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting http://www.realpatidar.com

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

No specific pages. See whole book.
References by: RealPatidar.com

https://archive.org/details/bk1275/page/n2/mode/1up

2012-11-12 -Dwarka Shankaracharya Certificate (1275)

realpatidar.com

श्री द्वारका

शारदापीठम्

द्वारका • गुजरात • भारत

प्रेषक : सचिव,
पू.पाद जगद्गुरु शङ्कराचार्य महाराज

टेलीफोन : (02892)234064, 235109 फैक्स : 234457

दिनांक : 12/11/2012
स्थान : द्वारका

धर्मादेश

जगद्गुरु शङ्कराचार्य मठ शारदापीठ द्वारका को कच्छ पाटीदार समाज द्वारा एवं प्राचीन इतिहास (गजेटियर) के आधार पर हम इस निश्चय पर स्थिर हुये हैं कि सत्पंथ पथ हिन्दु मुसलमानों को मिलाकर अन्त में छद्मवेष से हिन्दुओं को मुसलमान बनाने का कुचक्र चलाता है ।

* सत्पंथ के कथनानुसार वे हिन्दू ही हैं, तो नाम मुसलमानों जैसा क्यों ?
* यदि हिन्दुधर्म के ही देवी-देवता मानना है तो उसके लिये सतपंथ की ओर आकर्षित करना जरुरी क्यों?
* हिन्दुधर्म का ही पालन करना है तो पीराणा में इमाम शाह बाबा की कब्र की आवश्यकता क्यों ?
* सत्यप्रकाश पीराणा सतपंथ का इतिहास ग्रन्थ से सतपंथ मुस्लिम धर्म है ।
* प्राप्त प्रमाणों के आधार पर सत्पंथ संस्थान के धर्मगुरु आगाखान माने जाते हैं, वे क्यों हिन्दुधर्म का प्रचार करेंगे ?
* सरकारी दस्तावेजों में - गुजरात गजेटियर में, बाम्बे गजेटियर - 1899 में, अहमदाबाद जिला के 1984 के गजेटियर से यह प्रमाणित हैं कि सत्पंथ मुस्लिम धर्मावलम्बियों का है ।
* भगवद्गोमण्डल, प्रवीण प्रकाशन, राजकोट (भाग-9) पृष्ठ सं. 8461 में स्पष्टता पूर्वक सतपंथ का अर्थ मुस्लिम धर्म कहा है ।
* गुजराती विश्वकोश (खण्ड-22), पृष्ठ सं. 70-71 में सतपंथ का पूरा इतिहास लिखा है जिससे ये मुस्लिम मताबलम्बी सिद्ध होते हैं ।

हिन्दुधर्म की विशालता, प्राचीनता एवं सनातनी परम्परा को देखकर सतपंथी इमाम शाह बाबा की यह सुनियोजित योजना थी (है) कि हिन्दुओं को तोड़ना है, तो प्रारम्भ में कुछ उनकी बातों को स्वीकार कर लिया जाय कुछ अपनी बात जोड़ दी जाय, धीरे-धीरे हिन्दू संस्कृति को विकृत कर दिया जाये ।

इसी योजना के अन्तर्गत भ्रम फैलाकर हिन्दु मुस्लिम एकता का ढिण्ढोरा पीटकर कच्छ, गुजरात, महाराष्ट्र में लाखों हिन्दुओं को सत्पंथी धर्मच्युत कर चुके हैं ।

हिन्दू कौन, जो अपने आप को हिन्दू मान बैठा हो, हिन्दूधर्म का पालन करे, जो अपने दिल में अपने आप को हिन्दू विषयक अभिमान से आविष्ट कर चुका हो - **सः हिन्दूः** ।

गोषुभक्तिर्भवेदस्य पुनर्जन्मनि दृढ़ाशयः ।
ॐकार मूलमन्त्रस्य सर्वेहिन्दुरिति स्मृतः ॥

गाय में जिसकी भक्ति हो । ॐकार जिसका मूलमन्त्र हो । जो पुनर्जन्म मानता है, वैदिक परम्परा को प्रमाण मानता हो।

क्रमशः 2

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk1275/page/n3/mode/1up

2012-11-12 -Dwarka Shankaracharya Certificate (1275)

realpatidar.com

श्री द्वारका

शारदापीठम्

द्वारका • गुजरात • भारत

प्रेषक : सचिव,
पू.पाद जगद्गुरु शङ्कराचार्य महाराज

टेलीफोन : (02892)234064, 235109 फैक्स : 234457

दिनांक : 12/11/2012
स्थान : द्वारका

माता-पिता में भक्ति हो, भारत को जन्मभूमि माँ के रूप में मानता हो वह हिन्दू। मुसलमान तो पुनर्जन्म मानते ही नहीं हैं, रोजा रखने वाला हिन्दू कैसे ?

हीनं दूषयति इति हिन्दू - हीन को दूषित करे हिन्दू - प्रश्न ये हैं कि हीन किसे कहते है -

अन्यवादी क्रियाद्वेषी नोपस्थायी निरुत्तरः ।
आहूत प्रपलापी च हीनः पञ्चविधस्मृतः ॥

हिन्दूधर्म को दूषित करने वाले की निन्दा करने वाला या हीन, अधम, नीच, गर्ह्य, निन्दा या नष्ट करने के अर्थ में -

हिंकृणवती वसुमती .... (ऋक.1-164-27)
हीनञ्च दूषयत्येव हिन्दुरित्युच्यते प्रिये (मेरुतन्त्र प्रकाश -23)।
यवनैखनिः क्रान्ताः हिन्दवो विन्ध्यमाविशन् ।
कलिना वेदमार्गोऽयं बलिना कवलीकृतः ॥ (शार्ङ्गधर पद्धति)
बलिना कलिनाऽऽछन्ने धर्मे कवलिते कलौ ।
यवनैश्चनिः क्रान्ता हिन्दवो विन्ध्यमाविशन ॥ (कालिका पुराण)
हिनस्ति तपसा पापान् दैहिकान् दुष्टमानसान् ।
हेतभिः शत्रुवर्गश्च स हिन्दुरभिधीयते ॥ (पारिजातहरण नाटके)

कुछ उदारवादी हिन्दु संस्थान या सन्तों, महन्तों को भ्रम में रखकर उनसे समर्थन लेकर सत्पंथ अपने उद्देश्य को पुष्ट कर रहा है ।

अतः देश की अखण्डता, सनातनधर्म, हिन्दुधर्म की सुरक्षा, की रक्षा के लिए कोरी भावुकता का त्यागकर हिन्दुधर्म की सनातनीय परम्परा का पालन करना चाहिए, षडयन्त्र से अपनी रक्षा करनी चाहिए ।

(स्वामी सदानन्द सरस्वती)
सचिव, श्रीशारदापीठ, द्वारका
जामनगर, गुजरात

realpatidar.com